कर्म-मुक्ति कथन (Karma Release Statements)

01) मैं अपने पूर्ण सामर्थ्य को प्राप्त करने में बाधा बनने वाले किसी भी कर्म को मुक्त करना सीखने के लिए तैयार हूँ।

02) मैं आज अपने सभी कर्मिक ऋणों को, पिछले सभी जन्मों से जुड़े सभी बंधनों, शर्तों और नियमों सहित, मुक्त करने के लिए तैयार हूँ।

03) मैं अतीत, वर्तमान और भविष्य के किसी भी सत्य या असत्य वचनों/प्रतिज्ञाओं से स्वयं को अलग करने के लिए तैयार हूँ।

04) ब्रह्मांड की कोई भी शक्ति मुझे किसी भी प्रकार के दुःख या कष्ट के नियमों में बाँधकर जीने के लिए बाध्य नहीं करती। मैं सहजता और कृपा के साथ अपनी शक्ति को पुनः प्राप्त करता/करती हूँ।

05) मैं भोजन का त्याग करके ब्रह्मांड, किसी भी ईश्वर या गुरु को प्रसन्न करने की आवश्यकता को मुक्त करता/करती हूँ।

06) मैं अपने विचारों, शब्दों या कर्मों के माध्यम से दुःख या पीड़ा उत्पन्न करके ब्रह्मांड, किसी भी ईश्वर या गुरु को प्रसन्न करने की आवश्यकता को मुक्त करता/करती हूँ।

07) मैं भोजन, वस्त्र, निवास, आनंद और मनोरंजन से जुड़े अपने जीवन के हर पहलू को बिना अपराधबोध और लज्जा के आनंदपूर्वक जीने का चुनाव करता/करती हूँ।

08) मैं जीवन की सरलता और सहजता के प्रति अनभिज्ञ रहने के कारण स्वयं पर किए गए किसी भी क्रोध या असंतोष को मुक्त करता/करती हूँ।

09) मैं अब जीवन की मूल बातों पर ध्यान केंद्रित करता/करती हूँ और इस ग्रह पर जीवन जीने के जटिल और उलझे हुए विचारों को छोड़ देता/देती हूँ।